# कौशल
# विकास यात्रा

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

## कौशल विकास यात्रा

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों विशेषकर छात्राओं में कौशल विकास प्रशिक्षण के प्रति जागरूकता लाने एवं कौशल विकास कार्यक्रम से जुड़कर प्रशिक्षण उपरांत रोजगार–स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया एवं विश्वविद्यालय के स्कील एकेडमी के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों का कौशल विकास का कार्य प्रारंभ किया गया। कौशल उन्नयन कार्यक्रम के माध्यम से विशेष कर अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को बड़े पैमाने पर कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों से जोड़ा गया।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

नवभारत बिलासपुर, गुरुवार 9 अक्टूबर 2014
www.navabharat.org

# कुलसचिव ने कौशल यात्रा को दिखाई हरी झंडी

## 13 अक्टूबर तक प्रदेश के गांव-गांव में पहुंचेगी यात्रा

बिलासपुर. देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्कील इंडिया, डिजिटल इंडिया का जो नारा दिया है उस साकार रूप में लाने और लोगों का कौशल विकास को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से आज से कौशल यात्रा की शुरुआत प्रदेश में हुई. डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर कौशल विकास यात्रा को रवाना किया. यात्रा के दौरान प्रदेश के सभी जिलों के ब्लॉक, तहसील मुख्यालय तक पहुंचकर अभियान से जुड़े कार्यकर्ता इसके महत्व को बताते हुए युवाओं, गैर-कुशल, अर्ध-कुशल लोगों को जागरूक कर शिक्षा के साथ कौशल विकास के कार्यक्रम से जोड़ेंगे.

इस अवसर पर कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि भारत सरकार के बहुत बड़ी और महत्वाकांक्षी योजना पर नेशनल स्कील डेवलपमेंट कार्पोरेशन से जुड़कर आईसेक्ट और विश्वविद्यालय पिछले दो वर्षों से लगातार काम करते आ रहे है. छत्तीसगढ़ राज्य में इस अभियान को 8 से लेकर 13 अक्टूबर तक चलाया जाएगा. लोगों के बीच पहुंचकर अभियान से जुड़े कार्यकर्ता कौशल विकास को लेकर जागरूक करने का काम चरणबद्ध तरीके से करेंगे. प्रदेश में आज से ही रायपुर, अंबिकापुर, दुर्ग और जगदलपुर से भी यात्रा की शुरुआत की गई है. एक साथ पांचों प्रमुख स्थानों से निकली यात्रा में शामिल कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र के जिलों का दौरा कर 13 अक्टूबर तक अभियान के पहले चरण को पूरा करेंगे. कुलसचिव श्री पाण्डेय ने आज डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में आयोजित एक सादे एवं गरिमामय कार्यक्रम में पहले उस वाहन का निरीक्षण किया जो कौशल विकास जैसे अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना को लेकर लोगों के बीच जाने वाली थी. इस वाहन को इस तरह से सजाया गया है कि लोगों को सभी प्रकार की जानकारी ऑन लाइन, लिफलेट, पाम्पलेट और संवाद के जरिए दिया जा सके. तकनीकी रूप से वाहन में कई ऐसे उपकरण लगाए गए है जिसकी सहायता से भारत सरकार के एनएसडीसी के उद्देश्य को समझाया जा सके साथ ही एनएसडीसी व सीवीआरयू पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लाभ और रोजगार की संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया जा सके. कौशल विकास यात्रा को रवाना करने के दौरान विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति डॉ. आर.पी. दुबे व सभी प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे.

कौशल यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते कुलसचिव

### औद्योगिक क्षेत्र के पोलियो को ठीक करेंगे

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने इस अभियान की जरूरत को बताते हुए समझाया कि देश में एक अभियान चला था पोलियो जैसी खतरनाक ला-इलाज बीमारी से लोगों को मुक्त कराने की. इस बीमारी की चपेट में आने के बाद इंसान किसी काम का नहीं रह जाता था और पूरा जीवन नारकीय रूप से जीने मजबूर रहता था. आज इसी तरह की पोलियो बीमारी की चपेट में देश का औद्योगिक क्षेत्र है. देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो नारा दिया है स्कील इंडिया, डिजिटल इंडिया, उसे साकार करने व देश के उद्योगों को पोलियो मुक्त कराने इस अभियान को मिशन के रूप में चलाने की आवश्यकता है. आज देश में जितने भी उद्योग है उनमें 57 फीसदी ऐसे है जिनके पास गैर-कुशल कामगार है और 75 फीसदी उद्योगों में नॉन अपग्रेटेड सिस्टम है. भारतीय उद्योगों को पूरी तरह से स्वस्थ करने के लिए जरूरी है कि हम कुशल कामगारों की फौज को शिक्षित और प्रशिक्षित कर तैयार करें. आईसेक्ट और सीवीआरयू ने पिछले दो वर्षों से एनएसडीसी-सीवीआरयू-आईसेक्ट के जो कोर्स तैयार किए गए हैं, उसके सहारे भारतीय उद्योगों को कुशल हाथ उपलब्ध कराकर पोलियो से मुक्त किया जा सकता है.

### स्किल डेवलपमेंट एक्ट बनाने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि राज्य में बहुत ही तेजी से औद्योगिक विकास हो रहा है. चारों तरफ कल-कारखाने आकार ले रहे है. भारत सरकार ने जब कौशल विकास की बात सोची थी उस समय से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कौशल विकास के महत्व को समझकर उसे गंभीरता के साथ लिया. आईसेक्ट और सीवीआरयू भी एनएसडीसी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सबसे बड़े पार्टनर की भूमिका में पूरे भारत में कौशल विकास के काम को लेकर प्रारंभ से ही सक्रिय है. छत्तीसगढ़ सरकार कौशल विकास को लेकर शुरू से इतनी संवेदनशील रही कि उसने देश में सबसे पहले राईट टू स्कील डेवलपमेंट एक्ट तैयार कर उसे अमल में लाया. आज राज्य में एक स्वस्थ माहौल में इस कार्य को एनएसडीसी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है और इससे जुड़कर प्रदेश के हजारों युवा लाभान्वित हो रहे है।

### चुनौतियां बड़ी, हौसले बुलंद : कुलसचिव

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने कहा कि भारत के सभी राज्यों में आज से कौशल विकास यात्रा की शुरुआत हुई है लेकिन छत्तीसगढ़ में ये यात्रा चुनौतियों से भरी है. राज्य में 45-46 फीसदी आबादी अनुसूचित जनजाति वर्ग की है जो कि शिक्षा से तो दूर है ही साथ ही जिस काम को वे रोजगार के लिए करते है उसमें कुशलता नहीं है. इनके बीच जाना और इन्हें कौशल विकास के बारे में समझाना एक चुनौती है. फिर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और 46 फीसदी वन भी बड़ी चुनौती के रूप में सामने आएंगे. कौशल विकास यात्रा में सभी कार्यकर्ता आज से 13 अक्टूबर तक सभी चुनौतियों का सामना करते हुए अभियान के प्रथम चरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्साहित है और इनके हौसले बुलंद है.

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

## डा. सीवी रामन यूनिवर्सिटी के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने दिखाई हरी झंडी

# गांव-गांव पहुंचेगी कौशल यात्रा

**13 अक्टूबर तक प्रदेश में करेगी दौरा**

कौशल विकास यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डा. सीवीरामन यूनिवर्सिटी के कुलसचिव।

**औद्योगिक क्षेत्र के पोलियो को ठीक करेंगे**

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने इस अभियान की जरूरत को बताते हुए समझाया कि आज पोलियो बीमारी की चपेट में देश का औद्योगिक क्षेत्र है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो नारा दिया है स्कील इंडिया, डिजिटल इंडिया उसे साकार करने व देश के उद्योगों को पोलियो मुक्त कराने इस अभियान को मिशन के रूप में चलाने की आवश्यकता है। आज देश में जितने भी उद्योग है, उनमें 57 फीसदी ऐसे है, जिनके पास गैर-कुशल कामगार है और 75 फीसदी उद्योगों में नॉन अपग्रेटेड सिस्टम है। भारतीय उद्योगों को पूरी तरह से स्वस्थ करने के लिए जरूरी है कि कुशल कामगारों की फौज को शिक्षित और प्रशिक्षित कर तैयार किया जाए। आईसेक्ट और सीवीआरयू में पिछले दो वर्षों से एनएसडीसी, सीवीआरयू, आईसेक्ट के जो कोर्स तैयार किए गए है उसके सहारे भारतीय उद्योगों को कुशल हाथ उपलब्ध कराकर पोलियो से मुक्त किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्कील इंडिया, डिजिटल इंडिया का जो नारा दिया है उसे साकार रुप में लाने और लोगों को कौशल विकास को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार से कौशल यात्रा की शुरूआत प्रदेश मे हुई।

हरिभूमि न्यूज. बिलासपुर

डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर कौशल विकास यात्रा को रवाना किया। यात्रा के दौरान प्रदेश के सभी जिलों के ब्लॉक, तहसील मुख्यालय तक पहुंचकर अभियान से जुड़े कार्यकर्ता इसके महत्व को बताते हुए युवाओं, गैर-कुशल, अर्ध-कुशल लोगों को जागरूक कर शिक्षा के साथ कौशल विकास के कार्यक्रम से जोड़ेंगे। डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय से आज सुबह हरी झंडी दिखाकर कौशल विकास यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि भारत सरकार के बहुत बड़े और महत्वाकांक्षी योजना पर नेशनल स्कील डवलपमेंट कार्पोरेशन से जुड़कर आईसेक्ट और विश्वविद्यालय पिछले दो वर्षों से लगातार काम करते आ रहे है।

## चुनौतियां बड़ी, हौसले बुलंद : पाण्डेय

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने कहा कि भारत के सभी राज्यों मे आज से कौशल विकास यात्रा की शुरूआत हुई है, लेकिन छत्तीसगढ़ मे ये यात्रा चुनौतियो से भरी है। राज्य मे 45-46 फीसदी आबादी अनुसूचित जनजाति वर्ग की है जो कि शिक्षा से तो दूर है ही साथ ही जिस काम को वे रोजगार के लिए करते हैं उसमे कुशलता नही है। इनके बीच जाना और इन्हें कौशल विकास के बारे में समझाना एक बड़ी चुनौती है, फिर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और 46 फीसदी वन क्षेत्र भी बडी चुनौती के रुप मे सामने आएगे। कौशल विकास यात्रा से जुडे सभी कार्यकर्ता आज से 13 अक्टूबर तक सभी चुनौतियों का सामना करते हुए अभियान के प्रथम चरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्साहित हैं और इनके हौसले बुलंद हैं।

आज 8 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक पूरे भारत में आईसेक्ट और डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय द्वारा इस अभियान की शुरूआत लोगों को कौशल विकास को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से की गई है।

छत्तीसगढ़ राज्य में इस अभियान को 8 से लेकर 13 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। प्रदेश में आज से ही रायपुर, अंबिकापुर, दुर्ग और जगदलपुर से भी यात्रा की शुरूआत की गई है। एक साथ पांचों प्रमुख स्थानों से निकली यात्रा में शामिल कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र के जिलो का दौरा कर 13 अक्टूबर तक अभियान के पहले चरण को पूरा करेंगे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के सम-कुलपति डॉ. आरपी दुबे व सभी प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

# Success story for empowerment of Socio Economically Disadvantaged SC/ST/OBC Students of CVRU by increase in placement & increase in the no. of admission & enrolment with excellent output.

## उपलब्धि

एजुकेशन फेयर, कौशल विकास यात्रा, रेडियो रमन के माध्यम से जागरूकता, मोबाईल साईंस लैब जागरूकता कार्यक्रम एवं टैलेंट सर्च परीक्षा के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों के पंजीयन में सतत् वृद्धि देखी गई। विशेषकर अनुसूचित जाति, जनजाति के विद्यार्थियों के पंजीयन में वृद्धि हुई।

| DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY | | |
|---|---|---|
| SESSION-WISE ADMITTED FEMALE ST/ SC STUDENT'S FROM 2007-2022 | | |
| SESSION | ST | SC |
| | Female | Female |
| 2007-08 | 7 | 5 |
| 2008-09 | 14 | 9 |
| 2009-10 | 16 | 15 |
| 2010-11 | 62 | 62 |
| 2011-12 | 66 | 77 |
| 2012-13 | 53 | 81 |
| 2013-14 | 92 | 96 |
| 2014-15 | 68 | 80 |
| 2015-16 | 107 | 127 |
| 2016-17 | 130 | 137 |
| 2017-18 | 58 | 88 |
| 2018-19 | 111 | 183 |
| 2019-20 | 154 | 165 |
| 2020-21 | 127 | 209 |
| 2021-22 | 142 | 222 |

Dr. C.V. Raman University Registrar Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

उपरोक्त संचार कार्यक्रम कौशल विकास कार्यक्रम के परिणाम सुखद रहे। जिसके फलस्वरूप विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार की प्राप्ति हुई।

## YEAR-WISE PLACEMENT DATA

| S.N | Year | Total No. of Company Visited | No. of Student Placed |
|---|---|---|---|
| 1 | 2010-11 | 23 | 40 |
| 2 | 2011-12 | 25 | 45 |
| 3 | 2012-13 | 17 | 125 |
| 4 | 2013-14 | 22 | 133 |
| 5 | 2014-15 | 21 | 105 |
| 6 | 2015-16 | 37 | 145 |
| 7 | 2016-17 | 50 | 701 |
| 8 | 2017-18 | 48 | 671 |
| 9 | 2018-19 | 66 | 692 |
| 10 | 2019-20 | 40 | 636 |
| 11 | 2020-21 | 48 | 562 |
| 12 | 2021-22 | 70 approx | 650 approx |

Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)
Registrar

उपरोक्त विकास प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र, दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र एवं कौशल विकास उन्नयन कार्यक्रम के परिणाम सुखद रहे। जिसके फलस्वरूप विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार की प्राप्ति हुई।

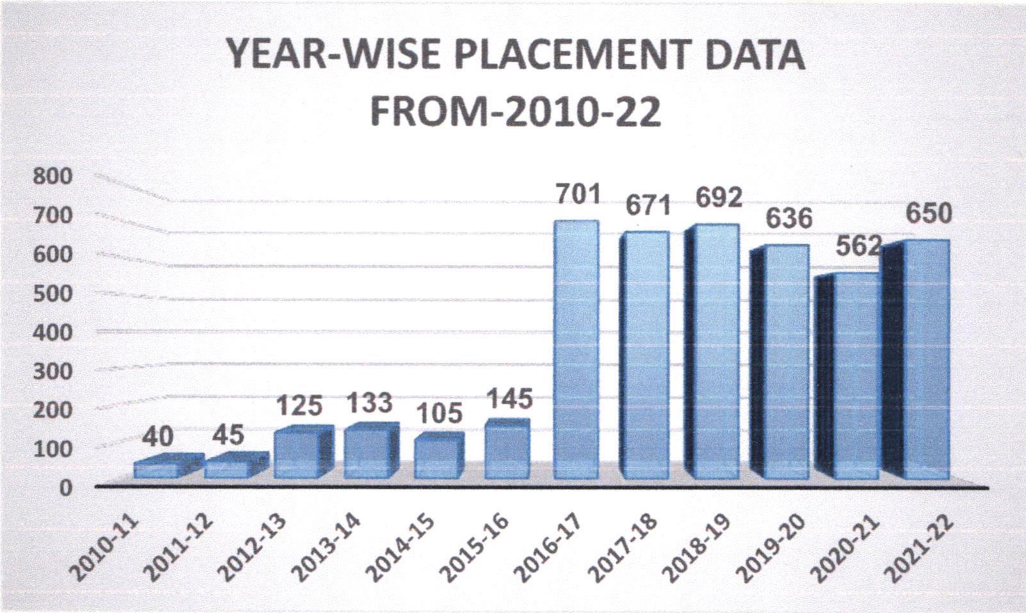


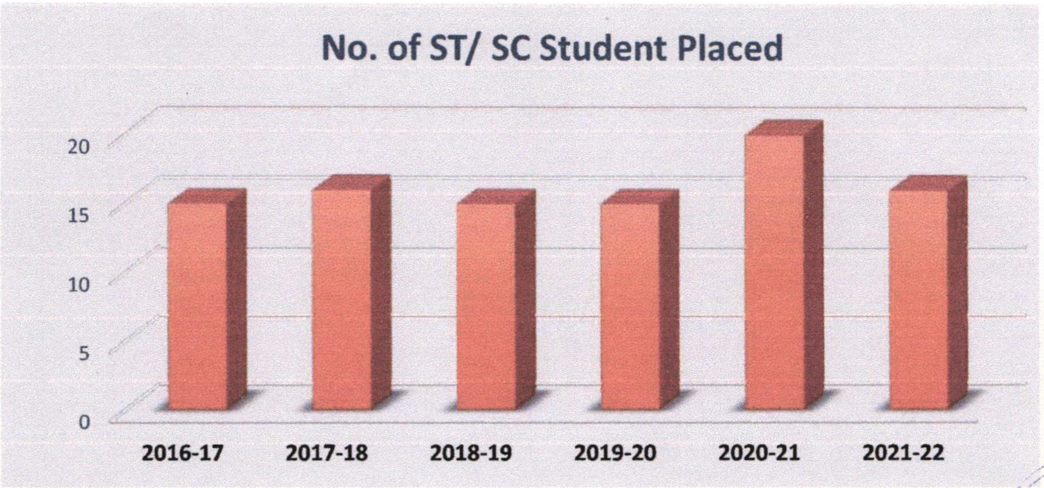


Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) Registrar

| No. of SC/ST Girls Student Placed | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **S.No.** | **Name of students placed** | **Program graduated from** | **Salary Package** | **S.No.** | **Name of students placed** | **Program graduated from** | **Salary Package** |
| **1** | Aarti kewat | B.Lib. | 1.80 LPA | **18** | Durga Jangde | B.Lib | 3.20 LPA |
| **2** | Neetu Tirkey | B.E. ( CS) | 2.0 LPA | **19** | Varsha Miri | BSC(Microbiology) | 3.20 LPA |
| **3** | Richa Kujur | B.E. ( CS) | 2.4 LPA | **20** | Shraddha Gandharv | BA | 2.16 LPA |
| **4** | Sahodara Ueke | B.A. | 1.20 LPA | **21** | Permila | M Sc Chemistry | 1.8 LPA |
| **5** | Mamta Paikra | M.A.(Geo)sem IV | 1.20 LPA | **22** | Dhela Markam | M Sc Zoology | 1. 85 LPA |
| **6** | Devika Markam | M.Sc. Chemistry | 2.65 LPA | **23** | Priti Sonkar | B. Lib | 1.44 LPA |
| **7** | Pratiksha Lahre | Poly Civil | 2.25 LPA | **24** | Rashmi Jangde | B. Lib | 1.80 LPA |
| **8** | Neelam Singh Paikra | B.Lib | 2.15 LPA | **25** | Renuka Lakra | B. Lib | 1.44 LPA |
| **9** | Kuleshwari Ratre | B.Com | 3.2 LPA | **26** | Rashmi Riya Ekka | B. Lib | 1.44 LPA |
| **10** | Pratiksha Kurrey | M.A. English | 1.80 LPA | **27** | Deepa Kujur | B. Lib | 1.80 LPA |
| **11** | Anjali Tirkey | BA | 1.80 LPA | **28** | Varsha Painkra | M. Lib | 1.80 LPA |
| **12** | Laxmi Kurrey | BA | 0.90 TPA | **29** | Suman Tekam | M. Lib | 1.68 LPA |
| **13** | Nirmala Jangde | BA | 2.4 LPA | **30** | Divya Kurre | BCA | 1.44 PLA |
| **14** | Purnima Kashyap | BE(ECE) | 3.6 LPA | **31** | Harikrishna Netam | BCA | 1.44 PLA |
| **15** | Meera Dhruw | BBA | 3.6 LPA | **32** | Rachna Lahre | BCA | 1.80 LPA |
| **16** | Shalini Dhiwar | BE Civil | 2.2 LPA | **33** | Sarita Paike | Pgdca | 1.80 LPA |
| **17** | Nirmala Jangde | BA | 3.20 LPA | | | | |

Registrar
Dr. C.V. Raman University
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के सशक्तिकरण

| No. of SC/ST Boys Student Placed | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **S.No.** | **Name of students placed** | **Program graduated from** | **Salary Package** | **S.No.** | **Name of students placed** | **Program graduated from** | **Salary Package** |
| **1** | Aarti kewat | B.Lib. | 1.80 LPA | 18 | Durga Jangde | B.Lib | 3.20 LPA |
| **2** | Neetu Tirkey | B.E. ( cs) | 2.0 LPA | **19** | Varsha Miri | BSC(Microbiology) | 3.20 LPA |
| **3** | Richa Kujur | B.E. ( cs) | 2.4 LPA | **20** | Shraddha Gandharv | BA | 2.16 LPA |
| **4** | Sahodara Ueke | B.A. | 1.20 LPA | **21** | Permila | M Sc Chemistry | 1.8 LPA |
| **5** | Mamta Paikra | M.A.(Geo)sem IV | 1.20 LPA | **22** | Dhela Markam | M Sc Zoology | 1. 85 LPA |
| **6** | Devika Markam | M.Sc. Chemistry | 2.65 LPA | **23** | Priti Sonkar | B. Lib | 1.44 LPA |
| **7** | Pratiksha Lahre | Poly Civil | 2.25 LPA | **24** | Rashmi Jangde | B. Lib | 1.80 LPA |
| **8** | Neelam Singh Paikra | B.Lib | 2.15 LPA | **25** | Renuka Lakra | B. Lib | 1.44 LPA |
| **9** | Kuleshwari Ratre | B.Com | 3.2 LPA | **26** | Rashmi Riya Ekka | B. Lib | 1.44 LPA |
| **10** | Pratiksha Kurrey | M.A. English | 1.80 LPA | **27** | Deepa Kujur | B. Lib | 1.80 LPA |
| **11** | Anjali Tirkey | BA | 1.80 LPA | **28** | Varsha Painkra | M. Lib | 1.80 LPA |
| **12** | Laxmi Kurrey | BA | 0.90 TPA | **29** | Suman Tekam | M. Lib | 1.68 LPA |
| **13** | Nirmala Jangde | BA | 2.4 LPA | **30** | Divya Kurre | BCA | 1.44 PLA |
| **14** | Purnima Kashyap | BE(ECE) | 3.6 LPA | **31** | Harikrishna Netam | BCA | 1.44 PLA |
| **15** | Meera Dhruw | BBA | 3.6 LPA | **32** | Rachna Lahre | BCA | 1.80 LPA |
| **16** | Shalini Dhiwar | BE Civil | 2.2 LPA | **33** | Sarita Paike | Pgdca | 1.80 LPA |
| **17** | Nirmala Jangde | BA | 3.20 LPA | | | | |

Dr. C.V. Raman University, Kota, Bilaspur (C.G.) Registrar



अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के सशक्तिकरण